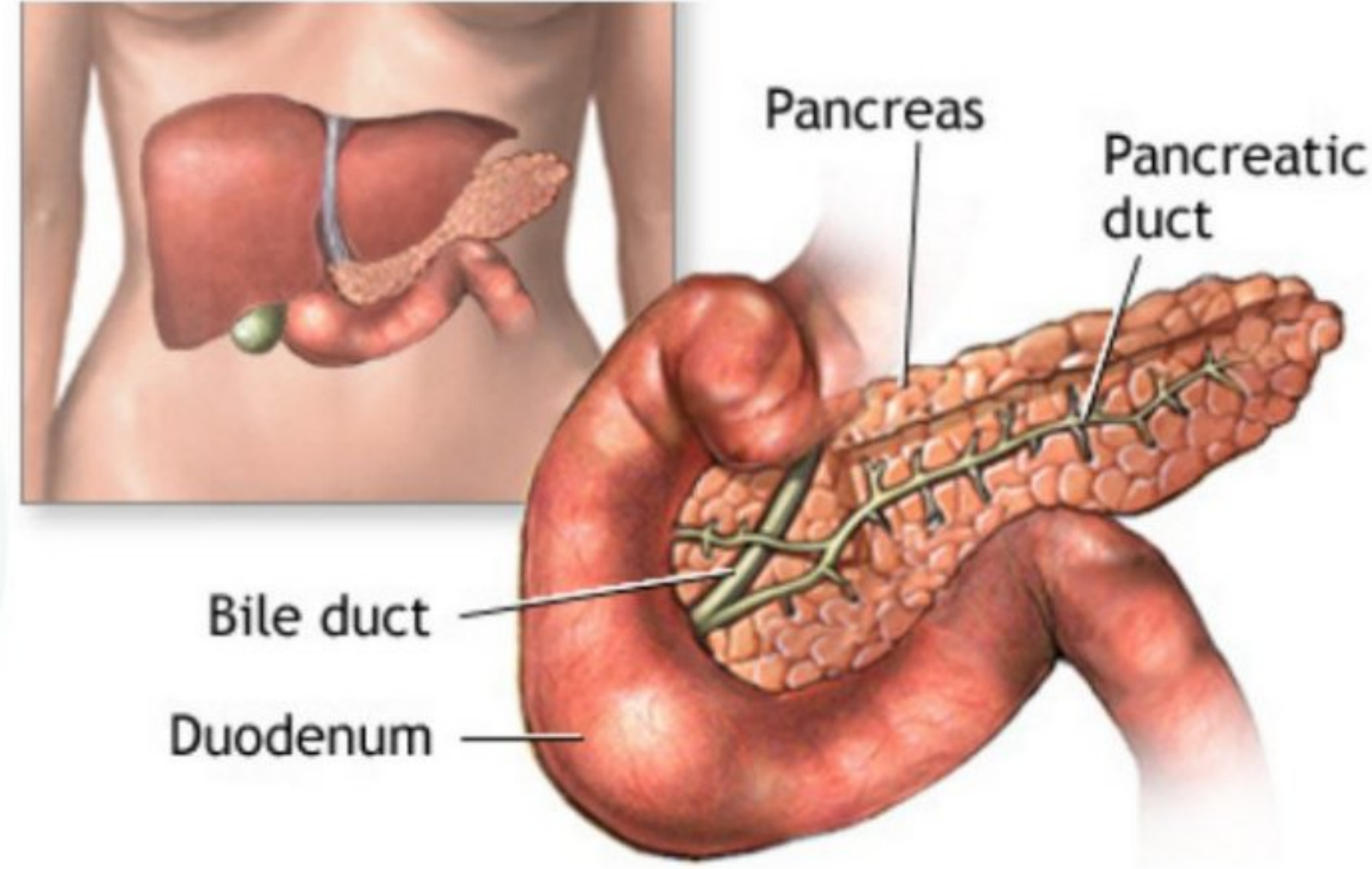




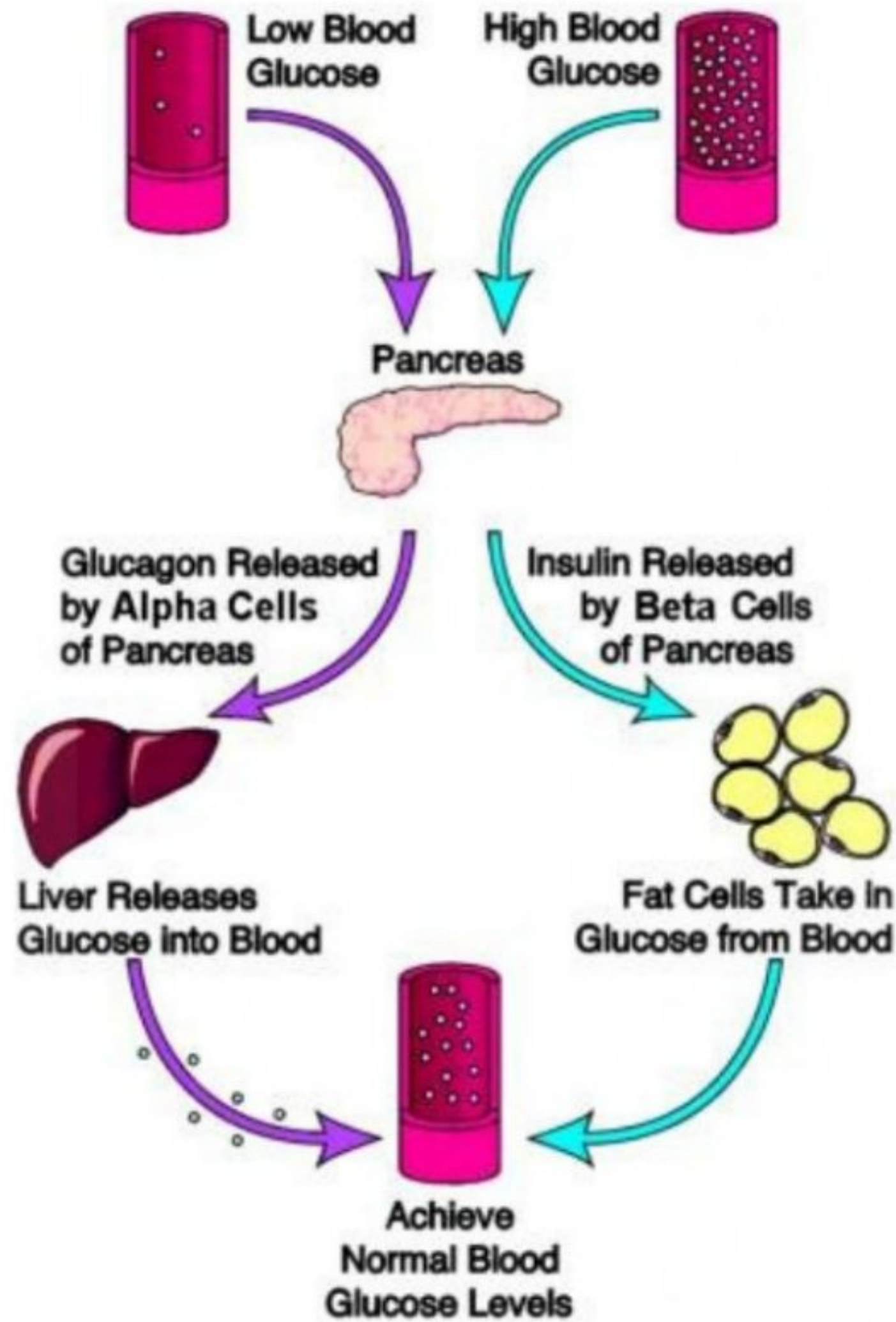
- एक ऐसा रोग जो दुनिया भर में गुर्दे की विफलता, दिल का दौरा, अंधापन, पैर के सड़ने और स्ट्रोक का प्रमुख कारण है
- दुनिया भर में 50 करोड़ लोग इसके रोगी हैं।
- भारत में लगभग 10 करोड़ इसके रोगी हैं जो देश का दूसरा सबसे अधिक ये रोग वाला देश है।
- भारत में 48% इन रोगियों को पता नहीं था कि उनमें इस रोग के लक्षण हैं। कई लोग अभी भी मिथकों में विश्वास करते हैं और उन्हें इस रोग के कारणों और लक्षणों के बारे में उचित जानकारी नहीं है।



- इंसुलिन एक तरह का हॉर्मोन होता है, जो शरीर के अंदर प्राकृतिक रूप से पैंक्रियास में बनता है और रक्त में मिलकर ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करने का काम करता है। लेकिन हममें से ज्यादातर लोग इंसुलिन के बारे में डायबिटीज जैसे खतरनाक रोग के कारण जानते हैं। क्योंकि यदि शरीर के अंदर इंसुलिन का उत्पादन ठीक से ना हो या यह अपना काम ठीक से ना कर पाए तो हम शुगर के पेशेंट बन सकते हैं।



इंसुलिन क्या होता है, शरीर के अंदर कैसे बनता है ?



- हमारे शरीर का तंत्र हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को ग्लूकोज (*Glucose*) में तब्दील कर देता है। ग्लूकोज रक्तप्रवाह (*blood stream*) में प्रवेश करता है। शरीर की कोशिकाएं (*cells*) रक्तप्रवाह से ग्लूकोज को अवशोषित (*absorb*) करती हैं। कोशिकाएं रक्त शर्करा (*blood sugar*) का उपयोग ऊर्जा के लिए करती हैं।



- हमारे शरीर का तंत्र हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को ग्लूकोज (*Glucose*) में तब्दील कर देता है। ग्लूकोज रक्तप्रवाह (*blood stream*) में प्रवेश करता है। शरीर की कोशिकाएं (*cells*) रक्तप्रवाह से ग्लूकोज को अवशोषित (*absorb*) करती हैं। कोशिकाएं रक्त शर्करा (*blood sugar*) का उपयोग ऊर्जा के लिए करती हैं।
- इंसुलिन (*Insulin*) एक हार्मोन है जो रक्त शर्करा के स्तर और शरीर की कोशिकाओं में उनके अवशोषण को नियंत्रित करता है। अग्न्याशय (*Pancreas*) की बीटा कोशिकाएं इंसुलिन का उत्पादन करती हैं।



- हमारे शरीर का तंत्र हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को ग्लूकोज (*Glucose*) में तब्दील कर देता है। ग्लूकोज रक्तप्रवाह (*blood stream*) में प्रवेश करता है। शरीर की कोशिकाएं (*cells*) रक्तप्रवाह से ग्लूकोज को अवशोषित (*absorb*) करती हैं। कोशिकाएं रक्त शर्करा (*blood sugar*) का उपयोग ऊर्जा के लिए करती हैं।
- इंसुलिन (*Insulin*) एक हार्मोन है जो रक्त शर्करा के स्तर और शरीर की कोशिकाओं में उनके अवशोषण को नियंत्रित करता है। अग्न्याशय (*Pancreas*) की बीटा कोशिकाएं इंसुलिन का उत्पादन करती हैं।
- रक्त में शुगर की मात्रा नियंत्रित करने के अतिरिक्त इंसुलिन शरीर के अंदर फैट को सहेजने का काम करता है। ताकि जरूरत पड़ने पर शरीर इस वसा का उपयोग कर सके



- हमारे शरीर का तंत्र हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को ग्लूकोज (*Glucose*) में तब्दील कर देता है। ग्लूकोज रक्तप्रवाह (*blood stream*) में प्रवेश करता है। शरीर की कोशिकाएं (*cells*) रक्तप्रवाह से ग्लूकोज को अवशोषित (*absorb*) करती हैं। कोशिकाएं रक्त शर्करा (*blood sugar*) का उपयोग ऊर्जा के लिए करती हैं।
- इंसुलिन (*Insulin*) एक हार्मोन है जो रक्त शर्करा के स्तर और शरीर की कोशिकाओं में उनके अवशोषण को नियंत्रित करता है। अग्न्याशय (*Pancreas*) की बीटा कोशिकाएं इंसुलिन का उत्पादन करती हैं।
- रक्त में शुगर की मात्रा नियंत्रित करने के अतिरिक्त इंसुलिन शरीर के अंदर फैट को सहेजने का काम करता है। ताकि जरूरत पड़ने पर शरीर इस वसा का उपयोग कर सके
- रक्त में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित करने के साथ ही इंसुलिन शरीर की हर कोशिका तक ऊर्जा पहुंचाने का काम भी करता है। यानी सीमित मात्रा में हर कोशिका तक ग्लूकोज पहुंचाता है।

- हमारे शरीर का तंत्र हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को ग्लूकोज (*Glucose*) में तब्दील कर देता है। ग्लूकोज रक्तप्रवाह (*blood stream*) में प्रवेश करता है। शरीर की कोशिकाएं (*cells*) रक्तप्रवाह से ग्लूकोज को अवशोषित (*absorb*) करती हैं। कोशिकाएं रक्त शर्करा (*blood sugar*) का उपयोग ऊर्जा के लिए करती हैं।
-
- इंसुलिन (*Insulin*) एक हार्मोन है जो रक्त शर्करा के स्तर और शरीर की कोशिकाओं में उनके अवशोषण को नियंत्रित करता है। अग्न्याशय (*Pancreas*) की बीटा कोशिकाएं इंसुलिन का उत्पादन करती हैं।
- रक्त में शुगर की मात्रा नियंत्रित करने के अतिरिक्त इंसुलिन शरीर के अंदर फैट को सहेजने का काम करता है। ताकि जरूरत पड़ने पर शरीर इस वसा का उपयोग कर सके
- रक्त में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित करने के साथ ही इंसुलिन शरीर की हर कोशिका तक ऊर्जा पहुंचाने का काम भी करता है। यानी सीमित मात्रा में हर कोशिका तक ग्लूकोज पहुंचाता है।
- हमारे शरीर को ऐक्टिव रखने के लिए इंसुलिन का उत्पादन और इसका अवशोषण दोनों ही बहुत जरूरी हैं। यदि इस प्रक्रिया में कोई भी दिक्कत होती है तो व्यक्ति थका हुआ और असहाय अनुभव करता है।

PREDIABETES

Borderline diabetes



.....

- यदि रक्त में ग्लूकोज का स्तर सामान्य से अधिक है लेकिन डायबिटीज की सीमा तक नहीं पहुंचा है, तो इसे "प्री-डायबिटीज" कहा जाता है।

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

PREDIABETES

Borderline diabetes



.....

- यदि रक्त में ग्लूकोज का स्तर सामान्य से अधिक है लेकिन डायबिटीज की सीमा तक नहीं पहुंचा है, तो इसे "प्री-डायबिटीज" कहा जाता है।
- खाने और व्यायाम की आदतों में पर्याप्त सुधार के बिना, प्री-डायबिटीज वाले अधिकांश लोग अगले दस वर्षों में टाइप 2 मधुमेह की तरफ चले जाएंगे।

PREDIABETES

Borderline diabetes



जोखिम कारक

- अधिक वजन या मोटा होने के कारण, विशेष रूप से शरीर के मध्य में मोटापा वाले लोग
- निष्क्रिय जीवनशैली अपनाना
- टाइप 2 डायबिटीज का पारिवारिक इतिहास
(प्रथम श्रेणी के रिश्तेदार, जैसे माता-पिता और भाई-बहन)
- बढ़ती उम्र, खासकर 45 साल से अधिक उम्र का
- गर्भावस्था में डायबिटीज का इतिहास
- पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम का इतिहास



- मधुमेह यानि डायबिटीज (*Diabetes*) को वैज्ञानिक रूप से डायबिटीज मेलेटस (*Diabetes Miletus*) के रूप में जाना जाता है।





- मधुमेह यानि डायबिटीज (*Diabetes*) को वैज्ञानिक रूप से डायबिटीज मेलेटस (*Diabetes Miletus*) के रूप में जाना जाता है।
- डायबिटीज शब्द एक ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है आगे पहुँचाना, और मेलिटस शब्द एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है “मीठा”





- मधुमेह यानि डायबिटीज (*Diabetes*) को वैज्ञानिक रूप से डायबिटीज मेलेटस (*Diabetes Miletus*) के रूप में जाना जाता है।
- डायबिटीज शब्द एक ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है आगे पहुँचाना, और मेलिटस शब्द एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है “मीठा”
- मधुमेह एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर (*Metabolic disorder*) है जिसके परिणामस्वरूप लंबे समय तक रक्त शर्करा का उच्च स्तर होता है।



- जब शरीर इंसुलिन के लिए प्रतिरोधी (*Insulin resistance*) हो जाता है या यदि इंसुलिन का उत्पादन कम हो जाता है , तो रक्त शर्करा का स्तर ऊंचा बना रहता है। जिससे कोशिकाओं में ग्लूकोज का अवशोषण भी कम होता है। इससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर लंबे समय तक बना रहता है। और इसी को डायबिटीज कहते हैं





- जब शरीर इंसुलिन के लिए प्रतिरोधी (*Insulin resistance*) हो जाता है या यदि इंसुलिन का उत्पादन कम हो जाता है , तो रक्त शर्करा का स्तर ऊंचा बना रहता है। जिससे कोशिकाओं में ग्लूकोज का अवशोषण भी कम होता है। इससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर लंबे समय तक बना रहता है। और इसी को डायबिटीज कहते हैं
- सामान्य रक्त शर्करा (*Normal blood sugar*) का स्तर 120 मिलीग्राम / डीएल (*mg/dL*) है। यदि रक्त शर्करा का स्तर 180 *mg/dL* से अधिक है तो आप मधुमेह (*Diabetes*) के रोगी हैं।



- इसके कारण शरीर ब्लड ग्लूकोज का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता है।





- इसके कारण शरीर ब्लड ग्लूकोज का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता है।
- लंबे समय से, उचित उपचार के बिना मधुमेह - हृदय रोग, किडनी रोग, आंख और दृष्टि संबंधी समस्याएं, पैर दर्द, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, और यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकती हैं।



डायबिटीज के लक्षण

- शुगर रोगी या मधुमेह रोगी (*Diabetes patient*) के लक्षण हमेशा स्पष्ट नहीं होते हैं। बहुत से लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती है कि उन्हें मधुमेह है।
- यही वजह है की कई डायबिटीज के मरीजों को बाद में पता चलता है की उन्हें डायबिटीज थी / दुनिया भर में 2 में से 1 लोगों को मधुमेह के लक्षण स्पष्ट नहीं होने के कारण निदान नहीं किया गया ।

डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं



डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना



डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।



डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।



डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।
- धुंधली दृष्टि होना, या धुंदला दिखना।



डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।
- धुंधली दृष्टि होना, या धुंदला दिखना।
- घाव धीरे धीरे भरते हैं | यह रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण होता है।

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।
- धुंधली दृष्टि होना, या धुंदला दिखना।
- घाव धीरे धीरे भरते हैं | यह रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण होता है।
- त्वचा पर संक्रमण

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।
- धुंधली दृष्टि होना, या धुंदला दिखना।
- घाव धीरे धीरे भरते हैं | यह रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण होता है।
- त्वचा पर संक्रमण
- अचानक वजन कम होना

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।
- धुंधली दृष्टि होना, या धुंदला दिखना।
- घाव धीरे धीरे भरते हैं | यह रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण होता है।
- त्वचा पर संक्रमण
- अचानक वजन कम होना
- बार-बार संक्रमण हो जाना

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

डायबिटीज के लक्षण

- आप विशेष रूप से दिन में खाना खाने के बाद थकान महसूस करते हैं
- खाने की आपकी इच्छा और बढ़ जाती है विशेष रूप से खाना खाने के बाद बढ़ जाना
- आपको बार-बार पेशाब करने का अनुभव होता है, खासकर रात के समय।
- असामान्य प्यास लगना।
- धुंधली दृष्टि होना, या धुंदला दिखना।
- घाव धीरे धीरे भरते हैं | यह रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण होता है।
- त्वचा पर संक्रमण
- अचानक वजन कम होना
- बार-बार संक्रमण हो जाना
- हाथ या पैर में सुन्नपन या झुनझुनी का महसूस होना

डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- **टाइप 1 डायबिटीज (Type- 1 diabetes):**

यह मधुमेह (**Diabetes**) बच्चों में अधिक आम है। शरीर में इंसुलिन की कमी से टाइप 1 मधुमेह होता है। कमी अग्न्याशय के कारण आवश्यक इंसुलिन की मात्रा बनाने में असमर्थ होने के कारण होती है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय (**Pancreas**) की बीटा कोशिकाओं (**Beta cells**) पर हमला करती है। नतीजतन, वे पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन करने में विफल होते हैं। और इन्सुलिन की कमी होजाती है | जिससे ग्लूकोज का स्तर ऊंचा बना रहता है।

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- **टाइप 1 डायबिटीज (Type- 1 diabetes):**

यह मधुमेह (Diabetes) बच्चों में अधिक आम है। शरीर में इंसुलिन की कमी से टाइप 1 मधुमेह होता है। कमी अग्न्याशय के कारण आवश्यक इंसुलिन की मात्रा बनाने में असमर्थ होने के कारण होती है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय (Pancreas) की बीटा कोशिकाओं (Beta cells) पर हमला करती है। नतीजतन, वे पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन करने में विफल होते हैं। और इन्सुलिन की कमी होजाती है | जिससे ग्लूकोज का स्तर ऊंचा बना रहता है।

- **कारण:** टाइप 1 मधुमेह (Type- 1 diabetes) आनुवंशिक भिन्नता (genetic variations) के कारण होता है।

डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- टाइप 2 डायबिटीज (*Type- 2 diabetes*):

यह तब होता है जब शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी (*insulin resistance*) हो जाता है। इंसुलिन प्रतिरोध के कारण, शरीर की कोशिकाएं रक्त शर्करा को ठीक से अवशोषित करने में विफल हो जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप उच्च रक्त शर्करा का स्तर होता है। एक उच्च रक्त शर्करा का स्तर अग्न्याशय बीटा कोशिकाओं को अधिक इंसुलिन का उत्पादन करने का संकेत देता है। जिसके कारण वे कमजोर हो जाते हैं और अंत में पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाते हैं।

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- टाइप 2 डायबिटीज (*Type- 2 diabetes*):

यह तब होता है जब शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी (*insulin resistance*) हो जाता है। इंसुलिन प्रतिरोध के कारण, शरीर की कोशिकाएं रक्त शर्करा को ठीक से अवशोषित करने में विफल हो जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप उच्च रक्त शर्करा का स्तर होता है। एक उच्च रक्त शर्करा का स्तर अग्न्याशय बीटा कोशिकाओं को अधिक इंसुलिन का उत्पादन करने का संकेत देता है। जिसके कारण वे कमजोर हो जाते हैं और अंत में पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाते हैं।

कारण:

मोटापा, एक निष्क्रिय जीवन शैली और आनुवंशिक कारक टाइप 2 मधुमेह के प्रमुख कारण हैं। भारी वजन और निष्क्रिय जीवन शैली के कारण अग्न्याशय बीटा कोशिकाएं कमजोर हो जाती हैं और अधिक ग्लूकोज का उत्पादन करने में असमर्थ होती हैं।

डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- **गर्भकालीन मधुमेह (*Gestational Diabetes*):**

यह गर्भावस्था के दौरान होती है। यह बच्चे के जन्म के बाद सही हो जाती है/ लेकिन जो महिलाएं गर्भावधि मधुमेह से पीड़ित हैं, उनके जीवन में बाद में टाइप 2 मधुमेह होना काफी संभव है।



डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- **गर्भकालीन मधुमेह (*Gestational Diabetes*):**

यह गर्भावस्था के दौरान होती है। यह बच्चे के जन्म के बाद सही हो जाती है/ लेकिन जो महिलाएं गर्भावधि मधुमेह से पीड़ित हैं, उनके जीवन में बाद में टाइप 2 मधुमेह होना काफी संभव है।

कारण:

गर्भावस्था के दौरान असामान्य वजन बढ़ना, पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (*Polycystic ovary syndrome*) इसका प्रमुख कारण है।



डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- **MODY (मैच्योरिटी -ऑनसेट डायबिटीज ऑफ़ दऱ यंग):**

यह युवाओं की मैच्योरिटी-शुरुआत मधुमेह है। यह मधुमेह का दुर्लभ रूप है। यह 25 साल की उम्र से पहले होता है। यह MODY मधुमेह टाइप 2 मधुमेह के समान है लेकिन 25 वर्ष से कम उम्र में होता है और टाइप 1 मधुमेह से अलग होता है। यह रोग शरीर की इंसुलिन का उत्पादन करने की क्षमता को सीमित करता है, और इस प्रकार रक्त शर्करा का स्तर अधिक होता है। यह आमतौर पर सामान्य वजन वाले लोगों में होता है और इस प्रकार यह मधुमेह का सबसे दुर्लभ रूप है।



डायबिटीज के प्रकार और इसके कारण

- **MODY (मैच्योरिटी -ऑनसेट डायबिटीज ऑफ़ दा यंग):**

यह युवाओं की मैच्योरिटी-शुरुआत मधुमेह है। यह मधुमेह का दुर्लभ रूप है। यह 25 साल की उम्र से पहले होता है। यह MODY मधुमेह टाइप 2 मधुमेह के समान है लेकिन 25 वर्ष से कम उम्र में होता है और टाइप 1 मधुमेह से अलग होता है। यह रोग शरीर की इंसुलिन का उत्पादन करने की क्षमता को सीमित करता है, और इस प्रकार रक्त शर्करा का स्तर अधिक होता है। यह आमतौर पर सामान्य वजन वाले लोगों में होता है और इस प्रकार यह मधुमेह का सबसे दुर्लभ रूप है।

कारण:

यह वंशानुगत कारकों और आनुवंशिक विविधताओं (**hereditary factors and genetic variations**) के कारण होता है।

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

- आंख



- हाइपरग्लाइसीमिया (खून में ज्यादा ग्लूकोस) होने पर शुरुआत में नज़रें धुंधली हो सकती है और अगर इस पर ध्यान न दिया जाए, तो आगे चलकर कैटेरेक्ट (मोतियाबिंद) होने के आसार होते हैं. आंख को प्रभावित करने वाली इस गंभीर स्थिति को डायबिटिक रेटिनोपैथी कहते हैं. इसमें आंखों के रेटिना (आँख के पिछले पर्दे को रेटिना कहा जाता है। इसमें कुछ कोशिकाएं मौजूद होती हैं, जिनकी मदद से प्रकाश पहुंचता है) खराब होने लगते हैं और कुछ गंभीर मामलों में आंखों की पूरी रोशनी भी जा सकती है. टाइप 2 डायबिटीज़ से प्रभावित 20% से 40% लोगों में डायबिटिक रेटिनोपैथी की शिकायत होती है.

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

- त्वचा



डायबिटीज़ में स्किन इन्फेक्शन यानी त्वचा से जुड़ा संक्रमण होना काफ़ी आम है, जिसे सबसे ज़्यादा अनदेखा किया जाता है. डायबिटीज़ से प्रभावित 30% लोगों में त्वचा संक्रमण (बैक्टीरियल/ फ़ंगल) होता है जिसमें शुष्क त्वचा, स्किन टैग्स (त्वचा में उभार) और काले चकत्ते पड़ना शामिल हैं.

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

- हृदय और खून की नसें

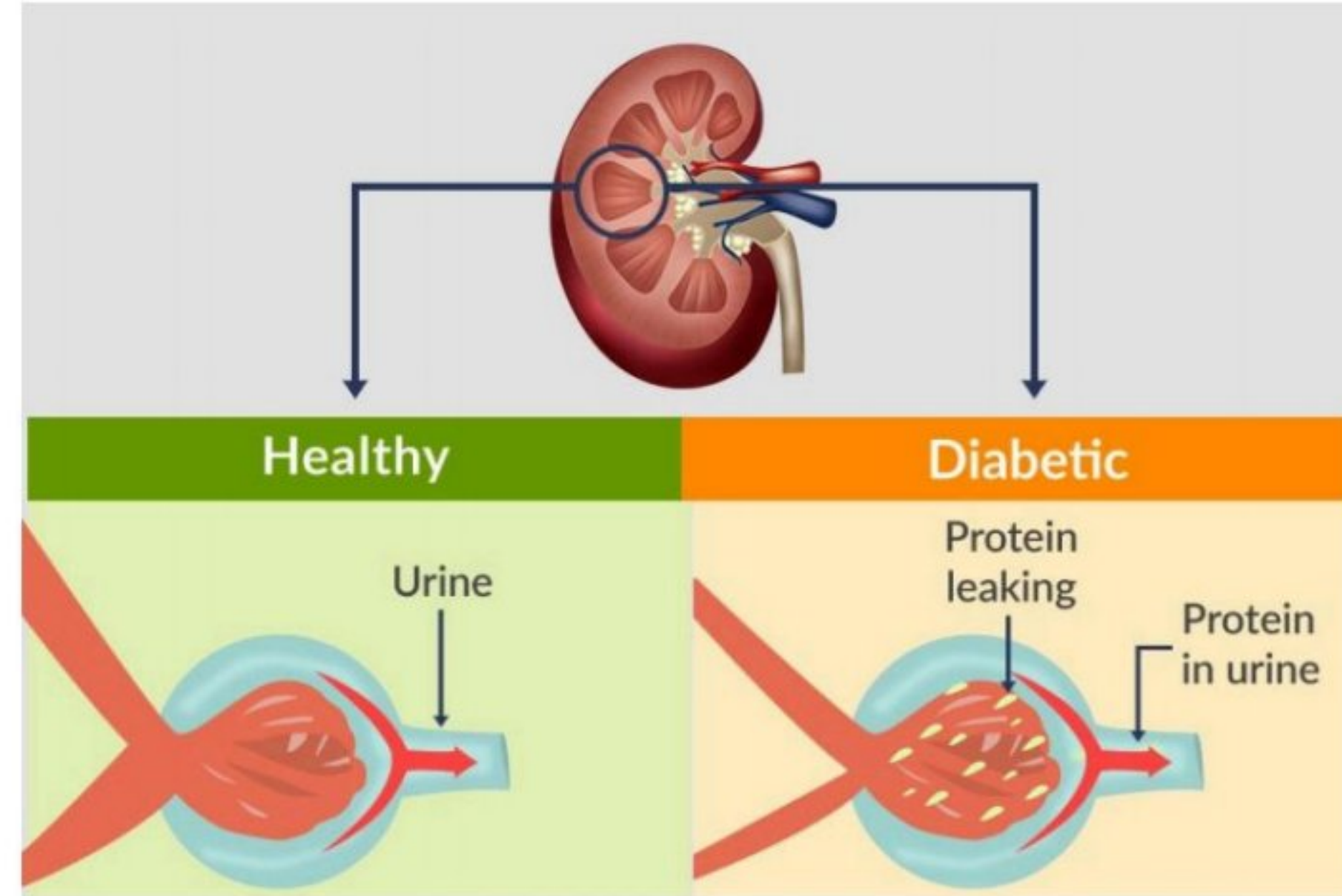


हाइपरग्लाइसिमिया के साथ ही, मधुमेह ग्रस्त लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल और/या हाई ब्लड प्रेशर होने की संभावना होती है. ऐसे में खून की नसें सख्त हो सकती हैं, जिससे हार्ट अटैक (दिल का दौरा) या दिल से जुड़ी दूसरी तकलीफें या स्ट्रोक हो सकता है. जिन्हें डायबिटीज़ नहीं उनके मुक़ाबले डायबिटीज़ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा ज़्यादा होता है.

RAYHOPE GLOBAL

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

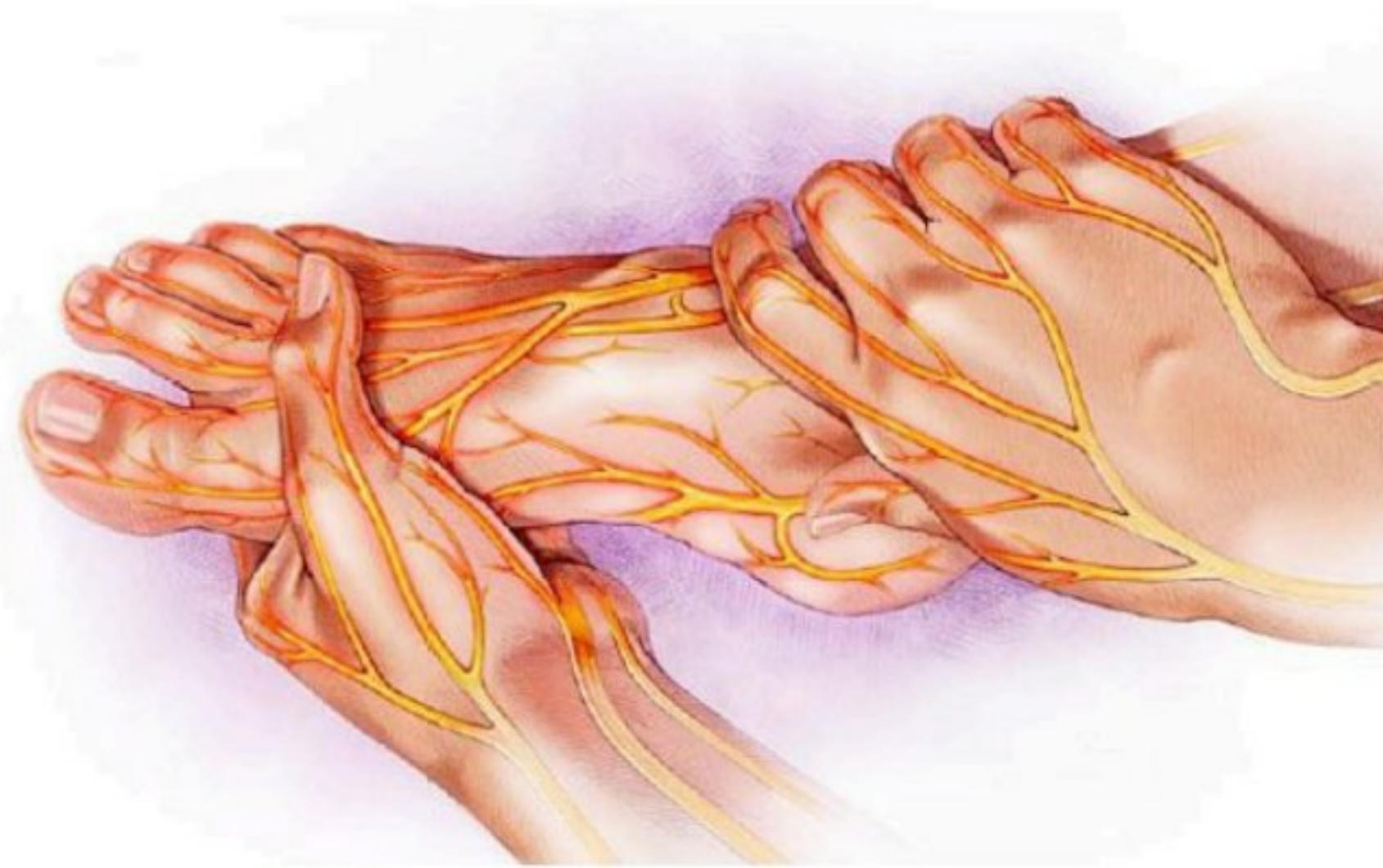
- किडनी



- किडनी से जुड़ी बीमारियों के पीछे डायबिटीज़ मुख्य वजह है, खास तौर पर किडनी के फ़ेल होने के मामलों में. टाइप 2 डायबिटीज़ से प्रभावित लोगों में डायबिटीज़ की पहचान होने से पहले ही किडनी की बीमारी के शुरुआत का पता चल जाता है.

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

- नसों का डैमेज होना



अगर आपको डायबिटीज टाइप 2 है तो नसों के डैमेज होने और डायबिटिक न्यूरोपैथी का खतरा और बढ़ जाता है. ये आपके हाथों और पैरों पर असर डाल सकता है. इसके लक्षण सुन्न होना, झुनझुनी या जलन, या फिर शरीर के किसी हिस्से में लकवा या पूरा शरीर लकवाग्रस्त हो सकता है

RAYHOPE GLOBAL

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

- पैरों का अल्सर व असमान्य घाव

DIABETIC FOOT ULCER



नस और ब्लड सर्कुलेशन खराब होने से पैरों में अल्सर जैसी समस्या हो सकती है. ये पैर के अल्सर कभी-कभी संक्रमित भी हो सकते हैं. कभी कभी ये घाव इतने गहरे हो जाते हैं की इसके इलाज में पैरों को काटना भी पड़ जाता है

RAYHOPE GLOBAL

डायबिटीज़ का होता है इन अंगों पर असर

- मुंह संबंधी रोग



- टाइप 2 डायबिटीज को कंट्रोल नहीं किया गया तो आपका ओरल हेल्थ भी खराब हो सकता है. इस स्थिति में आपके उन ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचता है जिसमें आपके दांत और मसूड़ों सही रहते हैं. इससे दांतों और मसूड़ों में संक्रमण खतरा बढ़ जाता है

RAYHOPE GLOBAL

मधुमेह उपचार:

- दवा: रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए, टाइप 2 मधुमेह के उपचार में गैर-इंसुलिन दवाओं की आवश्यकता हो सकती है।



मधुमेह उपचार:

- दवा: रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए, टाइप 2 मधुमेह के उपचार में गैर-इंसुलिन दवाओं की आवश्यकता हो सकती है।
- आहार परिवर्तन: कम ग्लाइसेमिक भोजन, कम कार्बोहाइड्रेट आहार, कम कैलोरी वाला आहार वजन कम कर सकता है और रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसलिए इस उपचार में आहार नियंत्रण की आवश्यकता होती है।



मधुमेह उपचार:

- दवा: रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए, टाइप 2 मधुमेह के उपचार में गैर-इंसुलिन दवाओं की आवश्यकता हो सकती है।
- आहार परिवर्तन: कम ग्लाइसेमिक भोजन, कम कार्बोहाइड्रेट आहार, कम कैलोरी वाला आहार वजन कम कर सकता है और रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसलिए इस उपचार में आहार नियंत्रण की आवश्यकता होती है।
- जीवनशैली में बदलाव: मांसपेशियों को मजबूत करने और कोशिकाओं द्वारा ग्लूकोज के अवशोषण को बढ़ाने के लिए शारीरिक गतिविधि, ध्यान आवश्यक हैं। यह रक्त शर्करा के स्तर को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने में मदद करता है।

मधुमेह उपचार:

- दवा: रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए, टाइप 2 मधुमेह के उपचार में गैर-इंसुलिन दवाओं की आवश्यकता हो सकती है।
- आहार परिवर्तन: कम ग्लाइसेमिक भोजन, कम कार्बोहाइड्रेट आहार, कम कैलोरी वाला आहार वजन कम कर सकता है और रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसलिए इस उपचार में आहार नियंत्रण की आवश्यकता होती है।
- जीवनशैली में बदलाव: मांसपेशियों को मजबूत करने और कोशिकाओं द्वारा ग्लूकोज के अवशोषण को बढ़ाने के लिए शारीरिक गतिविधि, ध्यान आवश्यक हैं। यह रक्त शर्करा के स्तर को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने में मदद करता है।
- कुछ मामलों में, इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है।

Madhuratna Powder



Powder : 300 gm

M.R.P : 1399

**Product by
Rayhope Global
Marketing PVT LTD**

**Ayush, GMP,
ISO, Kosher, and
Halal certified**

Contents



Karela
Jamun
Gudmar buti
Harad
Chirayata
Dalchini
Mamejava
Ashwagandha
Neem
Methi
Kutki
Haldi
Gokhru
Kalmegh
Aawla
Baheda



**आइए , मधुरत्न पाउडर की प्रत्येक महत्वापूर्ण
सामग्री के बारे में जानना शुरू करें**



करेला

- शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है।
- ये रक्त को शुद्ध करती है
- वजन घटाने के घरेलू उपाय के तौर पर भी करेला एक कारगर भूमिका निभा सकता है
- यह कैंसर के जोखिम को भी कम करने में मदद करता है
- इसके अंदर लिवर को सुरक्षित रखने का गुण भी होता है साथ ही फैटी लिवर जैसी बीमारी में भी इसके लाभ देखे जा सकते हैं।
- करेला शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करके हृदय को स्वस्थ रखता है
- इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन आंखों की बीमारियों के जोखिम से बचाव करता है। इतना ही नहीं यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है
- त्वचा रोग के लिए भी करेला बेहद ही लाभकारी होता है



चिरैता

- मधुमेह का इलाज करें
- वजन घटाने में मदद करता है
- बुखार का इलाज करता है
- रक्त शुद्ध करें
- त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करता है

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope



गुड़मार

गुड़मार को मधुनाशिनी भी कहा जाता है

- डायबिटीज के लक्षणों को कम करें, गुड़मार में डायबिटीज को कम करने वाले कई गुण होते हैं, जो प्रमुख रूप से रक्त में शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करते हैं
- गुड़मार का नियमित रूप से सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है, जिसके परिणामस्वरूप हृदय होने के खतरे को कम किया जा सकता है
- वजन कम करने में मदद करे *Ray of Hope*
- नियमित रूप से गुड़मार का सेवन करने से शरीर के अंदर व बाहरी हिस्से में विकसित होने वाली सूजन व लालिमा को भी कम किया जा सकता है



मेथी दाना

- शुगर को नियंत्रित करने में मेथी का औषधीय गुण लाभदायक है।
- मेथी के सेवन से हृदय रोग में लाभ मिलता है।
- घाव में मेथी के औषधीय गुण से लाभ मिलता है।
- मेथी के फायदे से त्वचा रोग का इलाज भी कर सकते हैं।
- शरीर की किसी भी प्रकार की सूजन में आराम मिलता है।



जामुन

- यह ब्लड शुगर के स्तर को तेजी से नहीं बढ़ाता। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है।
- इंसुलिन के उत्पादन को बढ़ाने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।
- जामुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं और कोशिकाओं को स्वस्थ रखते हैं, जिससे डायबिटीज के अन्य दुष्प्रभावों से बचाव होता है।
- भूख को नियंत्रित करके वजन को कम करने में सहायक होता है।
- डायबिटीज के रोगियों में अक्सर बार-बार पेशाब आने की समस्या होती है, और जामुन का सेवन इससे राहत दिलाता है।
- जामुन में विटामिन C और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।



अश्वगंधा

- "विथेनोलाइड्स" के कारण प्रतिरक्षा में सुधार करता है
- ब्लड शुगर कंट्रोल करें
- "विथेफेरिन" के कारण ट्यूमर / कैंसर को रोकें जो कैंसर कोशिकाओं की क्रमादेशित मृत्यु का कारण बनता है
- शुक्राणुओं की संख्या, गतिशीलता को बढ़ाकर, टेस्टेस्ट्रोन के उत्पादन को बढ़ाकर पुरुष प्रजनन क्षमता में सुधार करता है
- मांसपेशियों और ताकत को बढ़ाता है
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है
- स्मृति और मस्तिष्क में सुधार करता है



दालचीनी

- खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करें
- कैंसर के खतरे को कम करता है
- एड्स के खतरे को खत्म करता है
- त्वचा के संक्रमण का इलाज करें



हरड़

हरड़, जिसे हरीतकी भी कहा जाता है, एक प्रसिद्ध जड़ी-बूटी है। यह त्रिफला में पाए जाने वाले तीन फलों में से एक है

- पाचन तंत्र को सुधरता है
- गैस, अपच और कब्ज जैसी पेट की कई समस्याओं में लाभदायक है
- उल्टी में भी राहत दिलाता है
- दस्त की समस्या में भी राहत दिलाता है
- यह बवासीर में होने वाले दर्द को कम करने और रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है।



मामेजावा

- रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। यह शरीर की इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है, जिससे ग्लूकोज के उपयोग में सुधार होता है।
- इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं, जो डायबिटीज के दौरान होने वाले जटिलताओं को कम कर सकता है।
- यह लिपिड प्रोफाइल को सुधारने में सहायक होती है, जिससे हृदय स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।
- pancreas की बीटा कोशिकाओं (β -cells) को संरक्षित करने और उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे इंसुलिन का उत्पादन बेहतर हो सकता है।
- इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण डायबिटीज के दौरान शरीर में होने वाली सूजन और संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।
- यह औषधि ग्लूकोज के मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती है, जिससे ग्लूकोज की बेहतर प्रोसेसिंग होती है और डायबिटीज के प्रबंधन में सहायता मिलती है।



नीम

नीम का सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। यहाँ कुछ प्रमुख फायदे दिए गए हैं:

- रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
- शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और संक्रमण से लड़ने की ताकत देता है। इससे सर्दी, खांसी, और बुखार जैसी बीमारियों से बचाव होता है।
- नीम लिवर को डिटॉक्स करता है, जिससे लिवर की कार्यक्षमता बेहतर होती है और यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है।
- खून को साफ करता है और यह त्वचा की समस्याओं, जैसे मुंहासे, दाने और अन्य एलर्जी को दूर करने में सहायक होता है।
- पेट के कीड़ों को मारने में मदद करता है
- एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण शरीर को वायरस और बैक्टीरिया से बचाता है, जिससे फंगल और त्वचा संक्रमण की संभावना भी कम होती है।



कुटकी

- यह लीवर की सूजन, हेपेटाइटिस, और फैटी लीवर जैसी बीमारियों में सहायक है।
- यह त्वचा की समस्याओं जैसे सोरायसिस, एक्जिमा, और खुजली में राहत दिलाने के लिए उपयोग की जाती है। यह त्वचा की सूजन को भी कम करती है।
- इसके सेवन से मेटाबोलिज्म को सुधारने में मदद मिलती है, जो वजन घटाने में सहायता कर सकता है।
- कुटकी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में भी सहायक हो सकती है और इसीलिए मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद मानी जाती है।
- कुटकी किडनी को डिटॉक्स करने और किडनी के सामान्य कार्य को बनाए रखने में सहायक होती है।



हल्दी

- हल्दी एक प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंट होता है, जो आपके शरीर को विषाणुओं और रेडिकल्स के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने में मदद करता है
- इसका सेवन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- श्वसन संबंधित समस्याओं, जैसे कि खांसी, जुखाम, ब्रोंकाइटिस, और एस्थमा में सहायक होता है।
- गठिया जैसी जोड़ों की स्वास्थ्य समस्याओं में भी सहायक होता है।
- रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित करने में मदद करता है।
- शरीर में मौजूद विषाणुओं को निकालने में मदद करता है और शरीर की स्वच्छता बनाए रखने में सहायक होता है।
- अपच, गैस, और एसिडिटी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है



गोखरू

- इससे शरीर में विषैले पदार्थों के संचयन की कमी होती है और किडनी स्टोन के बनने की संभावना कम होती है।
- यह मूत्रसंबंधी प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है और मूत्रमार्ग से स्टोन को बाहर निकालने में सहायक होता है।
- इसका सेवन किडनी स्टोन के बनने से बचाने में मददगार हो सकता है।
- गोखरू में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो कि किडनी की सूजन और दर्द को कम कर सकते हैं।
- यह प्रोस्टेट स्वास्थ्य को भी सुधार सकता है, जो कि किडनी स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होता है।



कालमेघ

- पेट के इन्फेक्शन को दूर करने में मदद करता है
- कैंसर कोशिकाओं को कम करें
- मलेरिया के इलाज में मदद करता है
- एक एंटीवेनम के रूप में कार्य करें



आवला

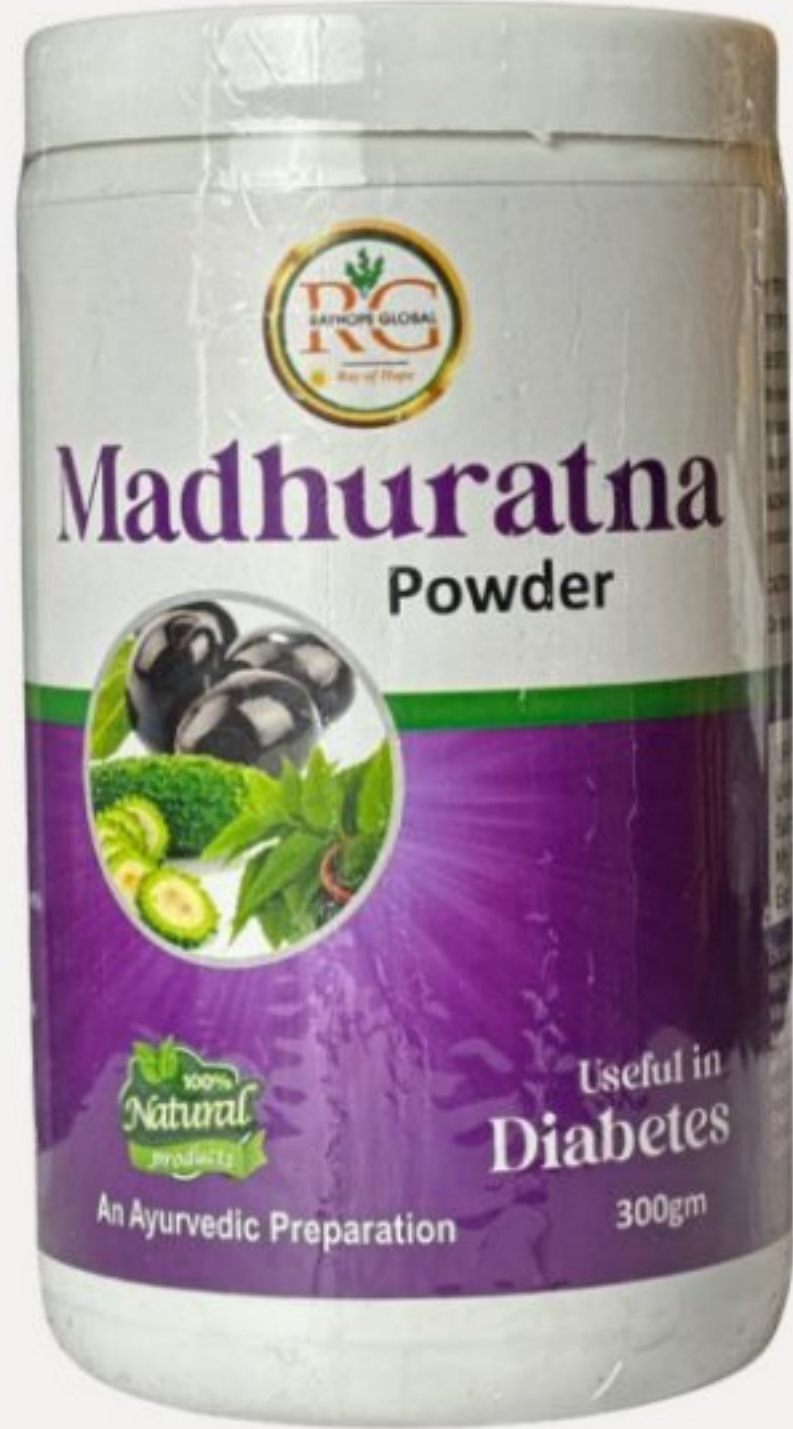
- पॉलीफेनोल्स और विटामिन सी की उच्च उपस्थिति के कारण प्रतिरक्षा को बढ़ावा दें
- पाचन में मदद करता है
- रक्त शुद्ध करता है
- रक्त गणना, हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाता है



Baheda

- गले के रोग दूर होते हैं
- आंखों की रोशनी बढ़ जाती है
- हाथ-पैर की जलन में लाभ मिलता है
- कब्ज से छुटकारा मिलता है
- खांसी और बलगम से छुटकारा मिलता है

इन स्थितियों में मधुरत्न का उपयोग किया जा सकता है



Powder : 300 gm

M.R.P : 1399

- प्री डायबिटीज के लक्षण में
- टाइप 1 डायबिटीज के मरीजों में
- टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में

**Product by
Rayhope Global
Marketing PVT LTD**

**Ayush, GMP,
ISO, Kosher
and Halal
certified**



Rayhope Global Marketing Private Limited

ऐसी स्थिति में मधुरत्न का इस्तेमाल बिना डॉक्टर से पूछे नहीं करना चाहिए

- गंभीर गुर्दे की समस्या के दौरान
- लीवर की गंभीर समस्या के दौरान

Madhuratna Powder



Powder : 300 gm

M.R.P : 1399

Dose

5 ग्राम पाउडर सुबह खाने के **30** मिनट के बाद लें और **5** ग्राम पाउडर रात के खाने के **30** मिनट बाद लें

Product by
Rayhope Global
Marketing PVT LTD

Ayush, GMP,
ISO, Kosher
and Halal
certified



Rayhope Global Marketing Private Limited